SHRIMATI SUMITRA G. KULKAR NI : Sir, it is not a question of commenting. These are all very essential facts.

MR. CHAIRMAN : All right. So, whal are you going to do ? He says he has not got the information. Therefore please resume your seat.

SHRIMATI SUMITRA G. KULKARNI : Sir, what is his reply to these questions ? These are the specific questions thai I have put and I want a reply to these questions. That is all that I want.

MR. CHAIRMAN : What is the use of arguing on the floor of the House during Question Hour ? When he says that he has not got the information, we will have to accept it and we can only ask him to supply it later. That is all.

श्री केशव देव मालवीय : श्रीमन्, इसमें कोई सन्देह नहीं कि पेट्रो-कैमिकल काम्प्लेक्स बड़ौदा में जो खड़ा हो रहा है, इसमें बहुत समय लगा है। जब यह शुरू हुआ था उस समय सारी टेक्नालाजी हमको विदित नहीं थी, मालूम नहीं था । हमने जरूरत से ज्यादा उत्साह दिखलाकर इस काम की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। उसमें दो, तीन, चार साल लग गये जब कि सारी टैक्नालाजी का विकास हो रहा था। मैं सारे प्रश्नों का उत्तर तो दे नहीं सकता, न मेरे पास पुरानी ठीक से फिगर्स है कि कब शुरू हुआ था। इसमें सन्देह नहीं है कि अब यह काम आगे बढ़ रहा है और आशा है दूसरे साल में हमारा काम शुरू हो जाएगा।

श्रीमती सुमित्रा जी० कुलकर्णी : क्या उत्पादन कर रहे हैं, यह तो कम से कम बता दीजिए।

श्री केशव देव मालवीय : इसमें बहुत सी चीजें बनाई जायेंगी, उनका नाम मैं आपको बता सकता हूं । इसमें दो प्रोजेक्ट हैं, अरोमेटिक प्रोजेक्ट और अलोफीन प्रोजेक्ट । अरोमेटिक प्लांट में जैसे फिल्में बनती हैं, पाइप बनते हैं, लो-डेंसिटी पोलिथीन है, काइमा फाइबर है, नाइट्राल है, अल्कालाइड्स, डिटरजेंट है जिससे साबुन बनता है, और अब वह साबुन की जगह ले लेगा । दूसरी चीजें जो बनेंगी उनमें लो-डेंसिटी पोलिथलीन है, सिथेटिक रबर है, इथाइल ग्लाइकोल है, बहुत सी चीजें हैं जो आधुनिक वस्त्रों में, दवाओं में, कपड़ों में और अग्रिकल्चर के काम में, उद्योग के काम में आयेंगी।

Klectrifioitioii of railway lines in Maharashtra and Gujarat

•397. SHRI DEORAO PATIL : f
SHRI BAPURAOJI MAROT-RAOJI DESHMUKH:
SHRIMATI SUMITRA G. KUL-KARNI :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the Central Government I have received any proposals from the Governments of Maharashtra and Gujarat | for tiie electrification of railway lines In | those States; and

(b) if so, what are the details thereof 7

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BUTA SINGH) : (a) and (b) Yes, Sir. The State Government of Gujarat had proposed elec-I triflcation of Ahmedabad-Gandhinagar as | an extension of electrification of Bombay-Ahmedabad section. No proposal has been received from the State Government of Maharashtra.

SHRI DEORAO. PATIL : Sir, is it a faci (hat Ihc Estimates Committee of the Lok Sabha had recommended electrification on the railways to an extent of 1800 km during the Fifth Plan period and, *ii* it is so, has the Railways prepared any plan for this based on this recommendation and, also, what are the new projects in Maharashtra in the proposed plan ?

SHRI BUTA SINGH : Yes, Sir. There were comments made by the Estimates | Committee and the Public Accounts Conv ! mittee of the Lok Sabha and both those

tThe question was actually asked on | the floor of the House by Shri Deorao ! Patil.

Committees were critical of the slow progress of electrification. But, Sir, again all that I have to say is that this is because of the inadequacy of funds and that is why *we* are not able to progress much even m the matter of electrification of the track.

As regards the second part of his question, in Maharashtra, survey work for electrification has been completed for the electrification of Durg-Nagpur and Nag-pur-Bhusawal sections and the route-kilo-metrage of Durg-Nagpur section is 265 Nagpur-Bhusaval, 393 kilometres. The cost in terms of rupees will be 17.09 crores and in the second section Rs. 24.50 crores.

श्री देवराज पाटिल : इलेक्ट्रीफिकेशन का काम कब तक पूरा हो जाएगा ?

SHRI BUTA SINGH : Sir, this electri-fication we will be able to take up only when the funds are available. This project will cost—it was calculated a few years back and this will have to be upgraded according to the present cost. Subject to this scheme being approved for execution, it is proposed to include these works in the next year's programme, *i.e.* 1977-78. Normally, the completion of this scheme will take 4-5 years. Provided we are given funds, it will be possible for us to complete it by the end of 1981 and the beginning of 1982.

श्रीमती सुमित्रा जी० कुलकर्णी : श्रीमन्, अभी आपने कहा कि अहमदाबाद और गांधीनगर की इलेक्ट्रीफिकेशन की लाइन के लिये प्रोपोजल आया है और उसके लिये विचार चल रहा है। मेरा निवेदन यह है कि रेलवेज जो है उनका क्रूड आयल का कंजंप्शन 13 परसेंट होता है यानी जितनी हिन्दुस्तान को क्रूड आयल की डिमांड है उसका 13 परसेंट। यदि यह ठीक है कि रेलवेज का इलेक्ट्रीफिकेशन करेंगे तो उनका खर्चा कम हो जाएगा तो इस दृष्टि से क्या वजह है कि अभी भी उसके लिये प्रियॉरिटी इतनी ली दी जा रही है ? दूसरे मैं पूछना चाहती हूं कि बम्बई से लेकर अहमदाबाद तक इलेक्ट्रीफिकेशन का काम चालू हो चुका है वह कब तक खत्म होगा ?

श्री बूटा सिंह : जैसा मैंने अर्ज किया कि गुजरात सरकार की ओर से हमारे पास प्रोपोजल आई है लेकिन उसकी जांच करने के बाद पता चला है कि इकानोमिकली उसको करना मुश्किल होगा।

श्रीमती सुमित्रा जी० कुलकर्णी : मैंने यह भी पूछा था कि बम्बई-अहमदाबाद का काम जो चालू है वह कब तक पूरा हो जाएगा ?

SHRI BUTA SINGH : Sir, the electrifi-cation of one section has already been completed. The Government's policy is to take up the suburban things separately . . .

(Interruptions)

SHRIMATI SUMITRA G. KULKARNI : It does not work . . . *(Interruptions).* Electrification is for ornamentation or what ? ... *(Interruptions).*

SHRI BUTA SINGH : The work of survey for electrification of 1178 km route is in progress. It is difficult for me to give the percentage . . .

(Interruptions)

SHRI BHUPESH GUPTA : Sir, every-thing will be electrified if Shrimati Kul-karni is ir. the train

(Interruptions)

श्रीमती सुमित्रा जी० कुलकर्णी : मैंने सरल सा प्रश्न यह पूछा था कि बम्बई-अहमदाबाद के बीच इलेक्ट्रीफिकेशन का काम जो कई सालों से चल रहा है वह कब तक खत्म होगा तो इसके जवाब में मंत्री जी ने बताया कि वह खत्म हो चुका है। मैं यह जानना चाहती हूं कि किस कारण से यह इनागुरेशन रुकी हुआ है ? यह जो बम्बई-अहमदाबाद इलेक्ट्रिक ट्रेन रुकी हुई है यह कब चालू होगी यह भी बताने की कृपा करें ?

MR. CHAIRMAN- He wants notice . . .

(Interruptions)

SHRI KALYAN ROY : Sir, the Minister is reading the notes now. He should come prepared . . .

(Interruptions)

SHRI BUTA SINGH : I am quite prepared, Sir. ...

MR. CHAIRMAN : Please resume youi seat. Mr. Dhabe.

SHRI S. W. DHABE : Sir, I want to know for how long the work of electrification on the Bombay-Howrah route has been going on and what portion of it has yet to be completed ? Has this section got any priority in electrification of the routes ?

SHRI BUTA SINGH : The only section left in this section, as I have just mentioned, is Delhi-Nagpur and Nagpur-Bhusaval As I have mentioned, Ihe intention is to complete this section by the year 1981-82 Then after this, the Bombay-Howrah section will be totally electrified.

Dacoities in running trains

*398 SHRI N. K. BHATT:

SHRI JAGDISH JOSHI:! SHRI IBRAHIM KALANIYA: SHRI KHURSHED ALAM KHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that dacoities and hold ups in running passenger trains are on the increase; and

(b) if so, what effective steps are con templated by Government to combat this menace?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BUTA SINGH) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री जगदीश जोशी : मान्यवर, मैं यह बताना चाहूंगा कि पिछले वर्ष से हमारे देश में आपत्-कालीन स्थिति होते हुए भी दिल्ली के आस-पास, कलकत्ता, आसनसोल और कानपुर के आस-पास डकैतियां और कत्ल जैसे क्राइम होते रहे हैं और इन घटनाओं की रिपोर्ट पुलिस में भी होती रही है । कई संसद्-सदस्यों ने लिखित तौर पर भी रेलवे मंत्रालय का ध्यान इस ओर खींचा है । ऐसी स्थिति में मैं जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदय ने इन घटनाओं की रोकथाम के लिए कोई कदम उठाये हैं ? यदि कोई कदम उठाये गये हैं तो कितने अपराधियों को अभी तक पकड़ा जा सका है ?

श्री बूटा सिह : माननीय सदस्य महोदय ने जिन घटनाओं का जिक्र किया है, इस प्रकार की छुटपुट घटनाएं रेलवे में होती रहती हैं । इस बारे में रेलवे मंत्री जी ने पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार के मुख्य मंत्रियों के साथ परामर्श किया है क्योंकि प्रधानतः यह प्रश्न राज्य सरकारों का है। राज्य सरकारें ही पुलिस और जुर्म के मामले देखती हैं । लेकिन फिर भी रेलवे के जितने भी क्षेत्रीय प्रबन्धक हैं वे सभी पुलिस महानिदेशकों, चीफ सेक्रेटरीज और होम सेक्रेटरीज से इस बारे में परामर्श करते रहते हैं । हमारी यह कोशिश होती है कि इस तरह की दुर्घटनाएं भविष्य में न हों।

श्री जगदीश जोशी : श्रीमन्, माननीय मंत्री महोदय इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि रेलवे के पास अपना सुरक्षा दल, आर० पी० एफ० होता है ! राज्य सरकारें भी रेलवे को अपने पुलिस के अधिकार देती हैं और इस प्रकार से राज्यों की पुलिस भी रेलवे के नियंत्रण में हो जाती हैं । रेलवे का अपना थाना भी होता है। ऐसी हालत में मैं जानना चाहूंगा कि जो यात्री रेलवे से सफर करते हैं, क्या उनको अपनी सुरक्षा की गारन्टी के लिए राज्य सरकारों के पास जाना पड़ेगा ? मान लीजिये, कोई यात्री दिल्ली से कलकत्ता के लिए यात्रा करता है तो क्या उसकी हिफाजत की जिम्मेदारी सिद्धार्थ बाबू की होगी या रेलवे विभाग की होगी ? मैंने यह भी देखा है कि कई गाड़ियों में कंडक्टर एक ही होता है । गोहाटी को जो ट्रेन जाती है उसमें एक ही कडंक्टर है। फर्स्ट क्लास और थर्ड क्लास के सभी डिब्बों को वह देखता है । ऐसी हालत में मैं जानना चाहता हूं कि आर० पी० एफ० का उचित उपयोग करने और जन हित में उसको सक्रिय बनाने के लिए रेलवे मंत्रालय क्या कदम उठा रहा है ?

•j-The question was actually asked on the Moor of the House by Shri Jagdish Joshi. |